

# *Holistic Education*

*Teacher Development Program*  
*IIIT Hyderabad*

# About the session

- ❖ Whatever is said is a **Proposal**
- ❖ **Do not assume it to be true/false.** It is not a process of do's & don'ts
- ❖ It is a process of **dialogue** (b/w you and yourself)
- ❖ **Verify** it on Your Own Right

प्रस्ताव है (मानें नहीं)

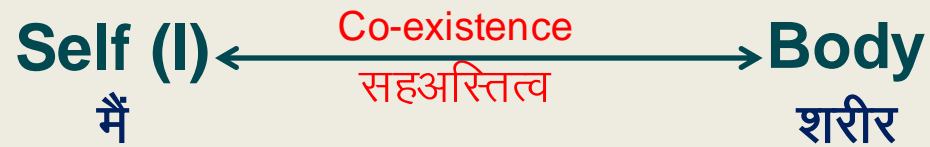
जाँचें – स्वयं के अधिकार पर।

अपनी सहज स्वीकृति के आधार पर।

यह संवाद की प्रक्रिया है।

यह संवाद आपके और मेरे बीच शुरू होता है, फिर आप में चलने लगता है।

**Human Being**  
मानव



**Human  
Being**  
मानव

**Self (I)**  
मैं

Co-existence  
सहअस्तित्व

**Body**  
शरीर

**Need**  
आवश्यकता

**Happiness**  
सुख

**Nurture पोषण**  
**Protection संरक्षण**  
**Right Utilization**  
**सदुपयोग**

**Human Being**  
मानव

**Self (I)**  
मैं

**Co-existence**  
सहअस्तित्व

**Body**  
शरीर



<p><b>Need</b> आवश्यकता</p>	<p><b>Happiness</b> सुख</p>	<p><b>Nurture पोषण</b>  <b>Protection संरक्षण</b>  <b>Right Utilization सदुपयोग</b></p>
<p><b>In Time</b> काल में</p>	<p><b>Continuous</b> निरन्तर</p>	<p><b>Temporary</b> सामयिक</p>

Human Being मानव	Self (I) मैं	Co-existence सहअस्तित्व	Body शरीर
Need आवश्यकता	Happiness सुख		Nurture पोषण Protection संरक्षण Right Utilization सदुपयोग
In Time काल में	Continuous निरन्तर		Temporary सामयिक
Fulfilled By पूर्ति के लिए	Right Understanding & Right Feeling सही समझ, सही भाव		Physio-chemical Things भौतिक-रासायनिक वस्तु

ये जरूरतें दो अलग-अलग प्रकार की हैं या एक ही प्रकार की ?  
 क्या दोनों महत्वपूर्ण हैं?  
 क्या हम दोनों को पूरा करना चाहते हैं?  
 इन दोनों के बीच वरीयता क्रम क्या है।

Human Being मानव	Self (I) मैं	Co-existence सहअस्तित्व	Body शरीर
Need आवश्यकता	Happiness सुख		Nurture पोषण Protection संरक्षण Right Utilization सदुपयोग
In Time काल में	Continuous निरन्तर		Temporary सामयिक
Fulfilled By पूर्ति के लिए	Right Understanding & Right Feeling सही समझ, सही भाव		Physio-chemical Things भौतिक-रासायनिक वस्तु

मानव मैं और शरीर के सह-अस्तित्व के रूप में है।

मैं एक चैतन्य इकाई है। इसकी आवश्यकता सुख है जो सही समझ और सही भाव से पूरी होती है।

शरीर जड़ इकाई है। इसकी आवश्यकता सुविधा है, जो भौतिक-रासायनिक वस्तुओं से पूरी होती है।

मैं की आवश्यकता भौतिक रासायनिक वस्तुओं से पूरी नहीं हो सकती

शरीर की आवश्यकता समझ और भाव से पूरी नहीं हो सकती

## सारांश

मानव में और शरीर के सह-अस्तित्व के रूप में है।

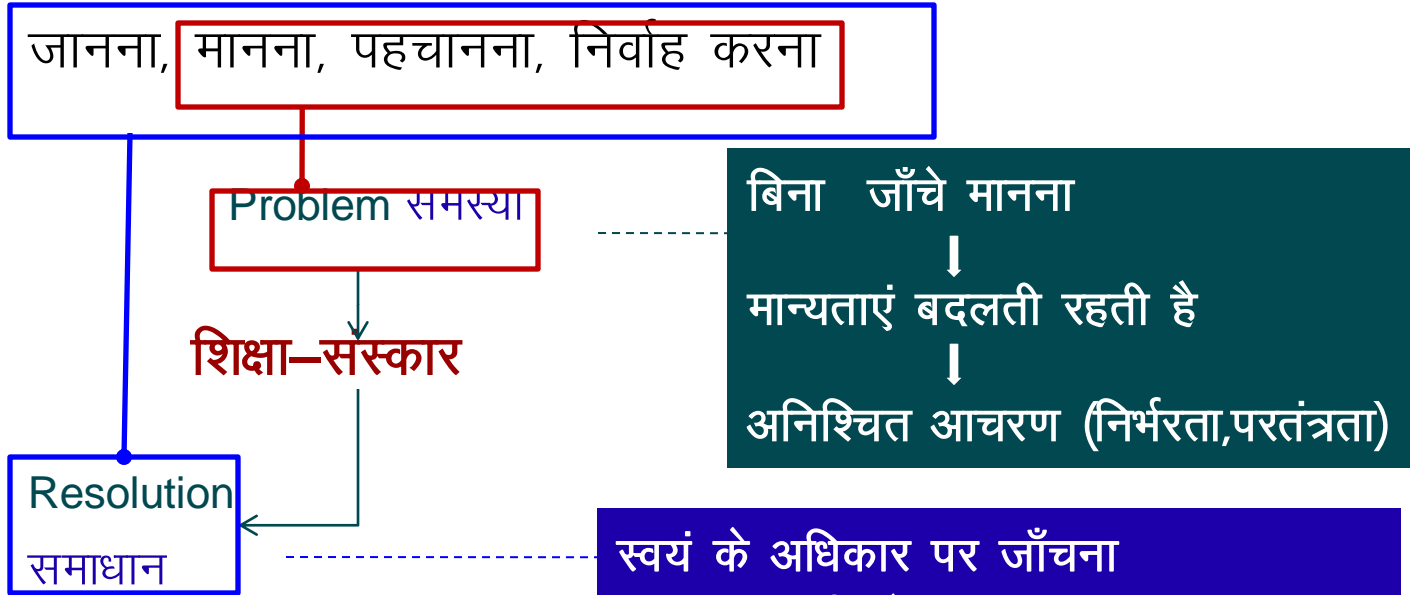
में एक चैतन्य इकाई है। इसकी आवश्यकता सुख है जो सही समझ और सही भाव से पूरी होती है।

शरीर जड़ इकाई है। इसकी आवश्यकता सुविधा है, जो भौतिक-रासायनिक वस्तुओं से पूरी होती है।

में की आवश्यकता भौतिक रासायनिक वस्तुओं से पूरी नहीं हो सकती  
शरीर की आवश्यकता समझ और भाव से पूरी नहीं हो सकती



# जानना, मानना



जानना

— जो वस्तु किसी से लगे बिना देख पाना  
मानना निश्चित है

मानना

— मैं क्या हूँ  
आचरण निश्चित है (स्वतंत्रता)

पहचानना

— मेरा दूसरे के साथ संबंध क्या है ?

निर्वाह करना— संबंध का निर्वाह करना



Viridus  
Social Impact solutions